e publication

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
हिसार (हरियाणा)

जून, 2023 क्रमांक 06

बाह्य परजीवी नियंत्रण : पशुपालक अपनाएं सही तकनीक

पशुओ में बाह्य परजीवियों की समस्या जैसे मक्खियाँ,चिचड़, खाज खारिश (मेन्ज), जुएं आदि से बचाव हेतु पशुपालक इन बातों का ध्यान दे-

- पशुओं में आमतौर पर डेल्टामैथ्रिन, सायपेर्मेथ्रिन तथा अमितराज़ का स्प्रे होता है, जिसे पानी में 2 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल कर स्प्रे पंप द्वारा पशुओं पे छिड़का जाता है|
- स्प्रे हमेशा हवा की दिशा में करे|
- स्प्रे के दौरान अपने मुँह-नाक को कपडे से ढक ले, व किसी प्रकार का खानपान व धुम्रपान न करें |
- तुड़े, चारे से स्प्रे को दूर रखें|
- स्प्रे से पहले पशु को भरपेट पानी पिलाएं, स्प्रे करने के बाद पशु को छाया में खड़ा करें, 3-4 घंटे तक पशु को झोड़ / तालाब में ना छोड़े|
- पशुओं पर स्प्रे करने के बाद, करीब 05 मि०ली० प्रतिलीटर घोल पशु घर में भी छिडकें | बाड़े की दीवारे दरार रहित,पक्की/ लिपाई / मिट्टी से पोत रखी हों, व बाड़े की मिटटी को समय समय पर बदलते रहना चाहिए|
- अगर एक पशु में खाज खारिश है तो स्प्रे सभी पशुओं पर करना चाहिए|
- खाज खारिश के लिए स्प्रे 0, 10, 20 दिन पर करें| जुओं के अंडे या “लीख”, पशुओं के बालो से चिपके रहते है तथा इनके ऊपर कीटनाशक भी काम नहीं कर पाते| इसलिए इनके रोकथाम के लिए स्प्रे 0, 7 और 14 दिन पर करना चाहिए|

डॉ० स्नेहिल गुप्ता
पशु परजीवी विज्ञान विभाग, लुवास

जून मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- गलघोटू एवं मुँहखुर रोग से बचाव का टीकाकरण सुनिश्चित करें।
- टीकाकरण से बुखार, दर्द आदि सामान्य व क्षणिक हो सकतें हैं, बचाव हेतु चिकित्सीय परामर्श से दर्द व बुखार की गोली दें।
- गर्मी से बचाव हेतु पशुओं को खुले के बजाय शेड में बांधे, सीधी हवा / लू न लगें|
- गर्मी से दूध घटने से बचाव हेतु नियमित रूप से मिनरल मिक्सचर एवं साफ़ पानी की उपलब्धता 24 घंटे बनाएं रखे |
- गर्मी से बचाव हेतु पशु आहार दिन के ठंडे समय (सुबह एवं शाम) को ही दें।
- हरे चारे की कमी हो तो विकल्प के स्वरूप में अजोला का उपयोग करें।

बाह्य परजीवी नियंत्रण के देसी नुस्खे

- 60 ग्राम गंधक रसायन 1 लीटर पानी में मिलाये व इस घोल को पशु के शरीर पर छिड़क दे|
- तम्बाखू के पत्तो को पानी में अच्छे से उबालकर, उस पानी से पशु को नहलाएं |
- नीम के पत्तो को रात भर भिगो कर, छाने हुए पानी से पशु को नहलाएं |
- नीम के तेल पशु के शरीर पर लगाएं|
- पशुओ को तारामीरा के फल खिलाने से पशु को बाह्य परजीवियों से राहत मिल सकती हैं|
- पशु बाड़े में नीम के पत्तो की धुँआ से मक्खी, मच्छर दूर भागते हैं|

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना, डॉ ज्योति शुन्ठवाल